हिन्दी साप्ताहिक

# बतकही

RNI No. UPHIN/2021/82967

वर्ष 4 अंक 2 | फतेहपुर, सोमवार 19 अगस्त 2024 | पृष्ठ 4 मूल्य 1 रूपया

# बुलंदशहर सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत

## योगी ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जिले के सलेमपुर क्षेत्र में रविवार को दो वाहनों की भिड़ंत में कम से कम दस लोगों की मौत हो गयी जबकि 27 अन्य गंभीर रुप से घायल हो गए। इस हादसे की जानकारी होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है। उन्होंने जनपद में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।बता दें कि शिकारपुर बुलंदशहर रोड पर मैक्स पिकअप और प्राइवेट बस की आमने सामने से टक्कर हो गई। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई जबकि 27 अन्य घायल हुए हैं। मरने वाले सभी लोग अलीगढ़ जिले की अतरौली तहसील के गांव रायपुर खास अहिर नगला के रहने वाले हैं। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में घायलों का उपचार करने में डाक्टरों की टीम जुटी हुई है। सूत्रों के मुताबिक, अलीगढ़ जिले की अतरौली तहसील के गांव रायपुर खास अहिर नगला के 37 लोग मैक्स गाड़ी से गाजियाबाद से अलीगढ़ जा रहे थे। ये लोग गाजियाबाद के बुलंदशहर रोड बी–10 स्थित बिरटानिया डेल्टा फूड कंपनी में नौकरी करते थे। रविवार को सभी लोग मैक्स पिकअप गाड़ी में सवार होकर गाजियाबाद से अपने घर के लिए निकले थे। बुलंदशहर के सलेमपुर थाना क्षेत्र में सामने से आ रही एक प्राइवेट बस ने पिकअप को टक्कर मार दी। इस हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पांच ने जिला अस्पताल की इमरजेंसी में दम तोड़ा है। इसके साथ ही 27 लोग घायल हुए हैं। मरने वाले और घायल सभी पिकअप में सवार थे। जिलाधिकारी चन्द्रप्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने जिला अस्पताल की इमरजेंसी पहुंचकर घायलों का हाल जाना और डाक्टरों को इलाज के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि मैक्स गाड़ी में 37 लोग सवार थे, जिसमें 10 की मौत हो गई है। 27 लोगों का इलाज चल रहा है इनमें चार लोगों को मेरठ के लिए रेफर कर दिया है। घायल मुनेश ने पुलिस को बताया कि रक्षाबंधन के अवसर सभी लोग त्योहार मनाने के लिए एक साथ गांव जा रहे थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के श्लोककुमार ने बताया कि गाजियाबाद में एक कंपनी से मैक्स वाहन में सवार होकर सभी लोग अपने घर अलीगढ़ रक्षाबंधन का त्यौहार मनाने के लिए जा रहे थे।

# कोलकाता दुष्कर्म मामले पर हरभजन का फूटा गुस्सा, सीएम ममता को पत्र लिखकर की जांच में तेजी दिखाने की मांग

कोलकाता क्रिकेटर से राजनेता बने हरभजन सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को दो पन्नों का पत्र लिखकर कोलकाता दुष्कर्म और हत्या पीड़िता को न्याय मिलने में हो रही देरी पर अपना दुख व्यक्त किया। साथ ही इस मामले पर तेजी से और निर्णायक तरीके से काम करवाने की अपील की।

कोलकाता में 9 अगस्त को हुई एक शर्मनाक घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। सभी देशवासियों के मन में आक्रोश और विरोध पनप रहा है। हरभजन का ये पत्र उसी दुख और आक्रोश को दर्शा रहा है, क्योंकि इस मामले के करीब 9 दिन बीत चुके हैं लेकिन दोषी अभी भी कानून की पकड़ से बाहर हैं। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के दुष्कर्म–मर्डर केस के विरोध में देशभर में डॉक्टरों के प्रोटेस्ट का आज 9वां दिन (18 अगस्त) है। 31 वर्षीय ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना पर हरभजन सिंह ने सीएम ममता बनर्जी से एक खास अपील की। हरभजन ने इस मुद्दे पर एक वीडियो भी शेयर किया। हरभजन ने कहा, जो कोलकाता में देश की बेटी के साथ हुआ, वो बहुत गलत हुआ। उसको इंसाफ दिलाने के लिए हम सबको आगे आना चाहिए, बजाय की इसे हम पॉलिटिकल मुद्दा बनाए। मेरी सभी अधिकारियों से विनती है कि इस मामले में उस बेटी को जल्द इंसाफ मिले, क्योंकि वो तो अब इस दुनिया में नहीं रही लेकिन हम नहीं चाहते हैं कि आने वाले समय में कोई ऐसा काम हो जिससे हमारा सिर शर्म से झुक जाए। मैं राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ममता दीदी, तमाम नेता और बड़े पदाधिकारी से बस यही कहना चाहता हूं कि ये वो समय है जब हम सबको एक ऐसा नियम बनाना चाहिए जिससे ऐसे घिनौने काम करने वालों की रूह कांप जाए। उनके मन में ये डर हो कि अगर वो ऐसा करेंगे तो कानून उनके साथ क्या करेगा। हरभजन ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान से समझौता नहीं किया जा सकता। इस जघन्य अपराध के अपराधियों को कानून की पूरी सजा का सामना करना होगा और सजा उदाहरण बनाने वाली होनी चाहिए। सिर्फ इसी तरह हम अपने सिस्टम में विश्वास बहाल करना शुरू कर सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि ऐसी घटना दोबारा न हो और हम एक ऐसा समाज बनाएं जहां हर महिला सुरक्षित और संरक्षित महसूस करे। हमें खुद से पूछना चाहिए– अगर अभी नहीं तो कब? मुझे लगता है, अब एक्शन का समय आ गया है।

# देहरादून में सामूहिक दुष्कर्म

देहरादून । पंजाब से देहरादून आई किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। किशोरी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है और वो रोडवेज बस से देहरादून पहुंची थी। पुलिस ने केस रजिस्टर कर दो संदिग्धों को हिरासत में ले पूछताछ शुरू कर दी है। मामला देहरादून आईएसबीटी का बताया जा रहा है। पता चला है कि देहरादून में पंजाब से आई एक 16 वर्षीय किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। अज्ञात आरोपियों ने किशोरी के साथ बस में सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। किशोरी मानसिक रूप से अस्वस्थ बताई जा रही है। किशोरी पंजाब से 13 अगस्त की रात को देहरादून आई थी। जानकारी के अनुसार, पीड़ित पंजाब से दिल्ली आई और फिर मुरादाबाद के रास्ते देहरादून पहुंची। जैसे ही किशोरी देहरादून आईएसबीटी पहुंची तो उसकी मानसिक हालत को देखते हुए कुछ अज्ञात आरोपियों ने कथित तौर पर उसके साथ बस में ही दुष्कर्म किया और उसके बाद मौके से फरार हो गए। किशोरी को घटना के बाद चाइल्ड वेलफेयर कमिटी (सीडब्ल्यूसी) ने रेस्क्यू किया। कमेटी के सदस्यों ने जब किशोरी की काउंसिलिंग की तब उन्हें इस घटना का पता चला। इसके बाद उन्होंने तुरंत शनिवार देर रात पुलिस को इसकी सूचना दी। एसएसपी अजय सिंह के निर्देश पर पुलिस ने बीती देर रात को 4 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जिसमें से पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की सदस्य प्रीति थपलियाल ने बताया कि बीती 13 अगस्त की शाम को आईएसबीटी के बाहर हेल्पलाइन की टीम ने एक किशोरी को बदहवास स्थिति में देखा था। जिसके बाद उन्होंने तुरंत इसकी सूचना चाइल्ड वेलफेयर कमेटी को दी और उस किशोरी को रेस्क्यू किया गया। जब किशोरी को रेस्क्यू किया गया तब वो लगातार रो रही थी। फिर उसके बाद उसने बताया कि उसके साथ गलत काम किया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए और किशोरी की मानसिक हालात को देखते हुए चाइल्ड वेलफेयर कमेटी ने उसे बालिका निकेतन भेजा। जहां उसकी काउंसलिंग की गई। तब इस पूरी घटना का पता चला।

किशोरी ने बताया कि वो पंजाब की रहने वाली है और वो एक अल्पसंख्यक समुदाय से ताल्लुक रखती है। उसके माता पिता की मृत्यु हो चुकी है, वो अपने बहन और जीजा के साथ रहती थी। जिन्होंने उसे 11 अगस्त को अपने घर से निकाल दिया था। पीड़िता ने बताया कि वो 12–13 अगस्त की दरमियानी रात करीब 2:30 बजे देहरादून पहुंची थी और बस में से सभी लोग उतर गए थे, लेकिन वो बस में ही बैठी हुई थी। उसने बताया कि जब वो बस में बैठी हुई थी, तब उसके अलावा दो और लोग बस में बैठे हुए थे। उसके बाद थोड़ी देर बाद दो और लोग बस में आ गए। इसके बाद उन सभी ने मिलकर उसी बस में उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म को अंजाम दिया।

# सहारा इंडिया परिवार के अभिकर्ता ने सांसद से की मुलाकात

फतेहपुर। सहारा इंडिया परिवार के अभिकर्ता सांसद नरेष उत्तम से मिलकर उन्हें ज्ञापन दिया। इस दौरान इन लोगों ने मांग किया की फतेहपुर में सहारा कंपनी में लगभग 25 वर्शों से अभिकर्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं सहारा कंपनी के द्वारा विभिन्न योजनाओं में जनपद फतेहपुर के लगभग आधी आबादी की धनराषि सहारा इंडिया कंपनी में कार्य कर रहे अभिकर्ताओं के माध्यम से जमा कराई गई थी। जिसका भुगतान पिछले चार–पांच वर्शों से नहीं किया जा रहा है। पिछले चार–पांच वर्शों से कोविड महामारी के कारण जमाकर्ता व कार्यकर्ताओं के कार्य प्रभावित हुए वह कोविड महामारी के कारण इन लोगों की जमा पूंजी इस दौरान खर्च भी हो गई। उपरोक्त जमाकर्ताओं के द्वारा जमा धनराषि ना मिलने के कारण उनके द्वारा अभिकर्ताओं को बेवजह परेषान किया जाता है। जिससे अभिकर्ताओं के मान सम्मान सहित उनकी जान माल का भी खतरा उत्पन्न हो गया है। इन लोगों ने अनुरोध किया कि सहकारिता मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा जारी पोर्टल का सरलीकरण किए जाने व सहारा इंडिया के समस्त सोसाइटियों का भुगतान किसी राश्ट्रीयकृत बैंक या सहारा इंडिया के समस्त कार्यालय द्वारा भुगतान दिलवाया जाए। इस अवसर पर ज्ञापन देने वालों में रामचंद्र पटेल, राम किषोर, धनंजय मिश्रा, मुकेष तिवारी, राम लखन यादव, राकेष कुमार, दीपक वर्मा, रामराज, मनोज कुमार, सुनील कुमार, नरेंद्र सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

# तालाब में मिला युवती का शव

लखनऊ(संवाददाता)। मोहनलागंज के तालाब में एक युवती का शव मिला है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकाल ली है। शव की शिनाख्त मृतका के परिजनों द्वारा की गई है। मृतका की पहचान दोस्तपुर थाना बछरावां रायबरेली के रूप में हुई है। युवती के शरीर पर किसी भी प्रकार की चोट के निशान नहीं हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस घटना की तहकीकात करने में जुटी है।

# सम्पादकीय

## नेट में नौनिहाल

हर अभिभावक इस बात को लेकर फिक्रमंद रहता है कि उनके बच्चे घंटों स्मार्टफोन में घुसे रहते हैं। उनके उलाहने पर दलील होती है कि ऑनलाइन पढ़ाई का दबाव है। खासकर कोरोना संकट के बाद छात्रों की मोबाइल के उपयोग की लत में भारी इजाफा हुआ है। जिस मोबाइल से आम अभिभावक बच्चों को दूर रखना चाहते थे, महामारी ने छात्रों को बचाव के लिये तार्किक आधार दे दिया कि ऑनलाइन क्लास चल रही है। लेकिन ज्यादातर छात्र अभिभावकों की नसीहत पर कान नहीं देते। उल्टे टोकने–टाकने पर कई हिंसक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। बहरहाल, अभिभावकों की चिंता की पुष्टि अब संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक व सांस्कृतिक संगठन यानी यूनेस्को ने कर दी है। यूनेस्को की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि मोबाइल व स्मार्टफोन के नजदीक रहने से छात्रों का ध्यान भंग होता है। उनकी एकाग्रता बाधित होती है। इतना ही नहीं उनकी सीखने की प्रवृत्ति पर नकारात्मक असर पड़ता है। यूनेस्को ने तो यहां तक चिंता जता दी है कि यदि छात्र एक निर्धारित सीमा से अधिक समय तक स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं तो शैक्षिक प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है। निस्संदेह, मौजूदा दौर में मोबाइल फोन व कंप्यूटर की अनदेखी संभव नहीं है। लेकिन कमोबेश स्थिति वही है कि सब्जी काटने वाला चाकू लापरवाही से प्रयोग करने से आपको चोट भी पहुंचा सकता है। दरअसल,इन आधुनिक गैजेट्स का अधिक उपयोग लाभ के बजाय हानि पहुंचाने लगता है। यही वजह है कि आधुनिक माने जाने वाले कई पश्चिमी देशों में स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर बैन लगाया गया है। विडंबना यह है कि आज महानगरों में युवाओं की आंख मोबाइल देखते हुए खुलती है। साथ दिन का एक लंबा समय मोबाइल देखने में जाया किया जाता है। यह स्थिति बेहद घातक है और इसके नशे की लत कई तरह की मानसिक व शारीरिक बीमारियां पैदा कर रही है। जो कालांतर एक मनोरोग का वाहक भी बन सकती हैं।

दरअसल, हमारे जीवन में बढ़ते तकनीकी संजाल में युवा पीढ़ी का फंसते जाना समाज में एक असहनशील पीढ़ी को जन्म दे रहा है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे घातक खेलों की लत में छात्र फंसे पाये गए, जो उन्हें आत्महत्या तक के लिये उकसाते रहे हैं। उनकी स्थिति किसी नशे में लिप्त होने जैसी हो जाती है। मनोवैज्ञानिक मोबाइल फोन की लत को छात्रों के व्यवहार में बदलाव का कारण भी बता रहे हैं। इससे जहां उनकी सामान्य पढ़ाई–लिखाई बाधित हो रही है, वहीं उनकी ज्ञान अर्जन की प्रवृत्ति में भी उदासीनता देखी गई है। इतना ही नहीं, इस लत को छुड़ाने की कोशिश में उनका आक्रामक व्यवहार सामने आता है। दरअसल, इसकी लत का असर उनके स्वास्थ्य पर भी देखा जा रहा है। एक ओर जहां उनकी खान–पान की आदतों में बदलाव नजर आ रहा है, वहीं शारीरिक निष्क्रियता बढ़ती जा रही है। निश्चित रूप से आधुनिक तकनीकों ने मानव जीवन में व्यापक बदलाव किया है, लेकिन तकनीक का हमारे जीवन में हस्तक्षेप एक सीमा तक ही स्वीकार किया जाना चाहिए। जैसे कर्णफूल कानों का सौंदर्य तो होते हैं, लेकिन यदि वे कानों को जख्मी करने लगें तो उनकी उपयोगिता निरर्थक हो जाती है। निस्संदेह, तकनीक वही अच्छी हो सकती है जो व्यक्ति के शारारिक व मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि करे। तकनीक मनुष्य की सुविधा और जरूरतों को ध्यान में रखकर ही ईजाद की जाती है। तकनीक हमारी मार्गदर्शक तो हो सकती हैं मगर हमारा नियंत्रण करने वाली नहीं होनी चाहिये। अभिभावकों व शिक्षकों का दायित्व बनता है कि वे छात्रों को अपने बहुमूल्य समय को बर्बाद करने से रोकें। छात्रों की शारीरिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने से उनका शारीरिक व मानसिक विकास संभव है। निस्संदेह, यह बड़ा वैश्विक संकट है और इसके निदान की कोशिश भी वैश्विक स्तर पर मिलजुलकर की जानी चाहिए। यूनेस्को की हालिया रिपोर्ट के मद्देनजर सरकारों व नीति–नियंताओं को स्मार्टफोन के दुरुपयोग को रोकने के लिये कड़े नियम बनाने चाहिए। जिसमें समाज, सरकार, शिक्षकों व अभिभावकों की निर्णायक भूमिका हो सकती है।

# क्या गिरता जा रहा है मोदी का इकबाल

अरविन्द मोहन

विपक्ष अभी तक सरकार या इसके मुखिया नरेंद्र मोदी को किसी सवाल पर मजबूती से घेरने में सफल नहीं हुआ है लेकिन इसके बावजूद मोदी जी का इकबाल लोक सभा चुनाव के बाद से अचानक घटता दिख रहा है। उनकी और पार्टी में उनके समर्थकोंध्प्रवक्ताओं की सारी ऊर्जा इसी बात पर खर्च होती लगती है कि हमने तिबारा सरकार बनाकर कोई ऐतिहासिक काम किया है और ऐसा कोई दूसरा नहीं कर पाया है। और इस पूरे कथन का मतलब यही है कि हमारा इकबाल बुलंद है। प्रधानमंत्री ने चुनाव के पहले से चार सौ पार के नारे के साथ अपने मंत्रियों से नई सरकार के लिए सौ दिन का एजेंडा तय करने को भी कहा था। अभी सौ दिन पूरे नहीं हुए हैं लेकिन मोदी जी का इकबाल सिमटता दिखता है। इसे देखने के लिए नई लोक सभा के कामकाज और उसमें अचानक आक्रामक हुए विपक्ष के कामकाज से ज्यादा भाजपा, सरकार और बाहर के कामकाज को देखना चाहिए। लोक सभा चुनाव के नतीजों में ताकत बढ़ने से राहुल गांधी और विपक्ष का उत्साह निश्चित रूप से बढ़ा है लेकिन असली कमजोरी दूसरी तरफ दिखाई देती है। एक राहुल के भाषण में प्रधानमंत्री समेत सात–आठ मंत्री अगर सीट से उठाकर दखल देने को बाध्य हों तो यह उनकी कमजोरी है। संसद में विपक्ष के तेवर बदले हैं, मीडिया की बहसों में विपक्षी प्रवक्ताओं का ही नहीं एंकरध्एंकरनियों का व्यवहार भी बदला है। लेकिन यह कोई बड़ी बात नहीं है। बड़ी बात है संघ प्रमुख से लेकर विद्यार्थी परिषद तक का व्यवहार बदलना जिसने नीट परीक्षा की गड़बड़ी पर सीधे धर्मेन्द्र प्रधान से इस्तीफा मांगने में हिचक नहीं दिखाई। संघ प्रमुख और संघ के दूसरे लोगों के बयान की चर्चा तो अलग लेख ही लिखा गया है और लिखा जाएगा और भाजपा में आम राय है कि लोक सभा चुनाव में उसे संघ के लोगों का पूरा समर्थन नहीं मिला। इसकी बहुत वजहें हैं और मोहन भागवत के बयान भी उसकी तरफ इशारा कर रहे हैं। पर बीच चुनाव में भाजपा को संघ के समर्थन की जरूरत न होने का दावा करने वाले अध्यक्ष जेपी नड्डा के केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री बनने के बाद यह साफ लगा कि भाजपा नया अध्यक्ष लाने वाली है। पर जैसे ही जेपी का और नए नामों के प्रति पार्टी के विभिन्न धड़ों का रुख सामने आया पार्टी ने कदम वापस खींच लिए हैं। ऐसा मोदी–अमित शाह के राज में पहले नहीं होता था।

लेकिन इस जोड़ी के इकबाल में इससे भी ज्यादा कमी उत्तर प्रदेश मामले में दिखी जहां पार्टी को सबसे बुरी पराजय का मुंह देखना पड़ा था। लक्षण साफ लग रहे थे कि योगी की विदाई होने वाली है। दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक उनकी बुलाई बैठकों में भी नहीं जाते थे, साथ–साथ घर होने पर भी मिलना–जुलना बंद था। आदित्यनाथ ने भी कुछ दांव–पेंच चले लेकिन जब कांवड़ यात्रा के समय खाने–पीने की दूकानों पर मालिक के नाम की तख्ती लगाने का आदेश दिया(और जल्द ही यह एक जिले से बढ़कर पूरे प्रदेश में और उत्तराखंड तथा मध्य प्रदेश भी पहुंच गया) केन्द्रीय नेतृत्व को और फिर मौर्य और पाठक को सांप सूंघ गया। वक्फ कानून में बदलाव पर भी पार्टी बहुत उछल–कूद कर रही थी लेकिन कानून का प्रारूप पेश करते समय तक उसके पांव कांपने लगे और बिल को एक कमेटी के हवाले कर हाथ झाड़ लिया गया। सीएए और जनसंख्या रजिस्टर की बात तो पार्टी कब का भूल सी गई है, अब लगता है वह जनगणना भी नहीं कराएगी क्योंकि उसे हर आंकड़े से डर लगने लगा है। जीएसटी वसूली बढ़ती दिख रही थी तो उसके आंकड़े भी जारी करने पर रोक लगा दी गई। लग रहा है कि नेता ही नहीं पार्टी समझ ही नहीं पा रही है कि उसे जाति के पक्ष में खड़ा होना है या सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के पुराने राग को अलापना है। यह बात कांवड़ यात्रा और वक्फ के मामले से भी ज्यादा दलित आदिवासी आरक्षण पर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सरकार के व्यवहार से जाहिर हुआ। कैबिनेट ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर करने का निश्चय किया। क्रीमी लेयर वाली बात छोड़ दें तो अनुसूचित जातियों और जनजातियों में नया वर्गीकरण करके आरक्षण का लाभ अति पिछड़े जमातों को देने का फैसला स्वागत योग्य है, लेकिन कांग्रेस और विपक्ष द्वारा जाति जनगणना कराने की मांग के साथ जाति के सवाल को प्राथमिकता देने से (हालांकि इस फैसले पर कांग्रेस ने कोई राय नहीं दी है और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने इसे लागू करने की घोषणा की है) भाजपा की घिग्घी बंध ा गई लगती है। जब रोहित वेमुला की आत्महत्या और कई जगहों पर दलितों की सार्वजनिक पिटाई के सवाल पर दलितों का पढ़ा–लिखा और अम्बेडकरवादी खेमा भाजपा के एकदम खिलाफ था तब भी भाजपा आज जितना नहीं डरी थी लेकिन उत्तर प्रदेश में बसपाध्मायावती का कारतूस फिस्स होने के बाद वह परेशान है। शासन का इकबाल जम्मू–कश्मीर के बिगड़ते हालात और वहां सितंबर तक चुनाव कराने की बाध्यता से और गिर रहा है। जून के बाद से शुरू हुए आतंकी हमलों का क्रम अभी जारी है और उन्होंने जम्मू को नया निशाना बनाया है। उधर सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति शासन लागू होने के पाच साल पूरे होने पर सितंबर तक चुनाव कराने का फैसला भी दिया है। कई राज्यों में विधान सभा के उपचुनाव हैं–अकेले उत्तर प्रदेश में दस सीटों पर चुनाव है। फिर दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव होने हैं। लोक सभा चुनाव से दिखे लक्षण बताते हैं कि इन राज्यों में भाजपा की स्थिति ज्यादा ही खराब है। विपक्ष लोक सभा में ताकत बढ़ाने के बाद इन राज्यों को लेकर भी उछल रहा है। इनमें से दो राज्यों में भाजपा का शासन है और वहां और ज्यादा हालत खराब लगती है।

सो यह हिसाब लगाया जाने लगा है कि अगर उपचुनावों और विधान सभा चुनावों में भाजपा का प्रदर्शन खराब रहा तो मोदी जी का इकबाल रसातल में पहुंच जाएगा। यह उनके शानदार ढंग से दो या तीन चुनाव जीतने से बड़ी राजनैतिक घटना होगी। पर मोदी जी चुनाव और भी खास ढंग से लड़ते हैं, यह बात भूलनी नहीं चाहिए।

# अभिव्यक्तिके अधिकार की रक्षा का सवाल

राजेश त्रिवेदी

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक, 2024 के मसौदे को वापस लेने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने यह कदम तब उठाया है, जब संसद का मानसून सत्र समाप्त हो गया है और अब देश जल्द ही विधानसभा चुनावों की हलचलों का साक्षी बनने जा रहा है। संसद के हाल में खत्म हुए मानसून सत्र में सरकार ने अपना बजट भी पेश किया था, लेकिन इसी सत्र में वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम सरकार पारित नहीं करवा पाई। विपक्ष ने तो इस विध ोयक का विरोध किया ही था, सरकार में शामिल भाजपा के दूसरे साथी दल इस पर सहमत नहीं दिखे और अंततरू यह संसदीय समिति को भेज दिया गया। आसान शब्दों मे कहा जाए तो पिछली लोकसभा की तरह इस बार श्री मोदी अपनी मनमानी नहीं चला सके। प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक पर भी सरकार ने विपक्ष के साथ संभावित टकराव को महसूस कर लिया था और हो सकता है इसी वजह से इस विधेयक के मसौदे को फिलहाल वापस ले लिया गया है। दरअसल यह विधेयक प्रारंभ से ही विवादों में रहा है। इसे अभिव्यक्ति के संविधान प्रदत्त अधिकार को कुचलने की तरह देखा जा रहा था। अपनी मनमानी को पारदर्शिता के आवरण में दिखाते हुए सरकार ने बताया था कि इस विधेयक के मसौदे को हितधारकों और आम जनता की टिप्पणियों के लिए 10 नवंबर 2023 को सार्वजनिक किया गया था। बिल का दूसरा मसौदा जुलाई 2024 में तैयार किया गया था। लेकिन मसौदे को विपक्ष ने सरकार पर आरोप लगाए थे कि संसद में रखे जाने से पहले ही इसे कुछ चुनिंदा हितधारकों के बीच चुपके से लीक किया गया। टीएमसी सांसद जवाहर सरकार ने भी राज्यसभा में यह मामला उठाया था। बता दें कि इस प्रस्तावित विधेयक को यू–ट्यूब, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन जैसे ऑनलाइन माध्यमों को नियमित करने वाला बताया जा रहा था। लेकिन माना जा रहा था कि यह अधिनियम वैकल्पिक मीडिया के दमन की एक और कोशिश है। हाल में संपन्न लोकसभा चुनावों के परिणाम आने के बाद कुछेक नामी–गिरामी पत्रकारों ने अपना मंतव्य सामने रखा था कि इस वैकल्पिक मीडिया के कारण श्री मोदी और भाजपा की छवि को धक्का पहुंचा है, क्योंकि मुख्य धारा के समाचार चौनलों में तो भाजपा का ही गुणगान होता रहा, लेकिन जनता ने उसकी जगह वैकल्पिक मीडिया को तरजीह देना शुरु कर दिया। सोशल मीडिया प्लेटफार्म के इन चौनलों पर हो रही सियासी चर्चाओं को करोड़ों दर्शक सुनते रहे। इस वजह से भाजपा को मनमाफिक नतीजे नहीं मिले। शायद इसी वजह से वैकल्पिक मीडिया पर अंकुश लगाने का प्रयास भाजपा ने किया। प्रसारण सेवा (विनियमन) विध ोयक के साथ ही डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023, प्रेस पंजीकरण अधिनियम, 2023 और आईटी संशोधन अधिनियम जैसे कानूनों को भी मीडिया पर शिकंजा कसने वाला बताया जाता रहा है। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, इंडियन जर्नलिस्ट यूनियन, दिल्ली यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, डिजीपब न्यूज फाउंडेशन, इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन, वर्किंग न्यूज कैमरामेन एसोसिएशन, इंडियन वुमेन प्रेस कॉर्प्स, कोगिटो मीडिया फाउंडेशन और मुंबई, कोलकाता, तिरुवनंतपुरम और चंडीगढ़ के प्रेस क्लब ने 28 मई को इस संबंध ा में बैठक बुलाकर प्रस्तावित कानूनों के खिलाफ विरोध जताया था। हालांकि इस विरोध के बावजूद प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक के मसौदे को कुछ लोगों के पास टिप्पणियों के लिए भेजा गया था, सूत्रों के मुताबिक अब इन लोगों से मसौदे को वापस मांग लिया गया है।

लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस विधेयक के मसौदे के जिन बिंदुओं पर विवाद था, उन पर अब सरकार क्या रुख अपनाएगी।

# नम आंखों से पिता ने दी लाडली श्रेया को मुखाग्नि

अंबेडकरनगर (संवाददाता)। छात्रा श्रेया यादव के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार सोमवार सुबह टांडा तहसील के महादेवा घाट पर कर दिया गया। इससे पहले बड़ी तादाद में स्थानीय व आसपास के लोगों ने हाशिमपुर बरसावां गांव पहुंचकर छात्रा के निधन पर गहरा शोक जताया। गांव में जुटे लोगों ने छात्रा के साथ हुए हादसे को चिंताजनक बताया। कहा कि इस घटना ने सिस्टम की पोल खोल कर रख दी है। गांव में लोगों ने पार्थिव शरीर पर पुष्प चढ़ाए। यहां पहुंचकर एसडीएम सदर सौरभ शुक्ल ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद वह पार्थिव शरीर के साथ टांडा तहसील क्षेत्र के सरयू नदी तट पर स्थित महादेवा घाट तक गए। वहां एसडीएम टांडा मोहनलाल गुप्त व सम्मनपुर थाना प्रभारी राजेश की मौजूदगी में छात्रा का अंतिम संस्कार हुआ। घाट पर मौजूद लोगों की आंखें उस समय और भी नम हो गईं, पिता राजेंद्र यादव ने मुखाग्नि दी। एक अगस्त को श्रेया का जन्मदिन अंबेडकरनगर। दिल्ली में जान गवां देने वाली श्रेया का चंद दिन बाद ही एक अगस्त को जन्मदिन था। श्रेया अपना यह जन्मदिन मनाती इससे पहले ही वह दुनिया छोड़कर चली गई। हंसमुख व सरल व्यवहार की धनी श्रेया का जन्म एक अगस्त 2002 को हुआ था। वह 27 जुलाई की शाम दिल्ली में अचानक हुए हादसे का शिकार हो गई। जन्मदिन से चार दिन पहले अचानक हुई मौत ने पूरे परिवार, दोस्तों व शुभचिंतकों को यह दर्द और दे दिया है कि जन्मदिन के ठीक पहले उसका इस तरह निधन हो गया। भाई अभिषेक कहते हैं कि हम लोग जन्मदिन धूमधाम से नहीं मनाते थे। पूरा जोर सिर्फ पढ़ाई पर था। कभी कभार श्रेया हॉस्टल में अपनी दोस्तों के साथ केक काट लेती थी। अभिषेक ने कहा कि प्रत्येक जन्मदिन पर हम लोग फोन कर देर तक बाद करते थे। श्रेया को जन्मदिन की बधाई देते थे और उसका मनोबल बढ़ाते थे। सोचा था कि श्रेया आईएएस बन जाएगी तो उसका जन्म दिन धूमधाम से मनाएंगे। इस पर वह भी सहमत थी। भावुक होते हुए कहते हैं कि जन्म दिन के ठीक पहले श्रेया का इस तरह चला जाना और दुखी कर रहा। नीली बत्ती में ही गांव वापस आई श्रेया अंबेडकरनगर। लाडली बेटी के आईएएस बनकर नीली बत्ती से गांव आने का सपना देखने वाले परिजनों के लिए रविवार रात तब वज्रपात सा हो गया जब नीली बत्ती की एंबुलेंस से मेधावी श्रेया यादव का शव पहुंचा। परिवार के सभी सदस्य इस पर दहाड़ मारकर रो पड़े। आईएएस बनने पर बिटिया के चेहरे पर तेज देखने की उम्मीद पाले परिजनों के लिए यह दुनिया छोड़ चुकी श्रेया का शांत पड़ चुका चेहरा उम्मीदों को चकनाचूर कर रहा था। अकबरपुर तहसील के हाशिमपुर बरसावां की रहने वाली श्रेया यादव दिल्ली में रहकर एक प्रतिष्ठित कोचिंग से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रही थी। बचपन से ही मेधावी श्रेया का सपना आईएएस बनने का था। उसके सपनों तथा अपनी उम्मीदों को पूरा करने के लिए परिवार ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ा। उसे दिल्ली में सुविधायुक्त कमरा दिलाया तो वहीं एक लाख 65 हजार खर्च कर प्रतिष्ठित कोचिंग में प्रवेश दिलाया, जिससे उसे संसाधनों की कमी का एहसास न होने पाए। पिता राजेंद्र व मां शांति समेत बड़े भाई अभिषेक को यह उम्मीद थी कि श्रेया जल्द ही आईएएस बनकर परिवार का नाम रोशन करेगी। पिता राजेंद्र कहते हैं कि हमने सोचा था कि वह जल्द ही नीली बत्ती में अफसर बनकर यहां आएगी। एक झटके में हमारे सपने चकनाचूर हो गए। उसके अफसर बनने से आसपास के लोगों का भी भला होता। यह सब अचानक से खत्म हो गया। भाई अभिषेक ने कहा कि हमें पता था कि मेरी बहन इतनी योग्य है कि वह एक दिन आईएएस बनकर नीली बत्ती में घर आएगी। पर यह किसी को नहीं पता था कि वह नीली बत्ती में तो आएगी लेकिन वह बत्ती एंबुलेंस की होगी। आज जाएगा कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल अंबेडकरनगर। कांग्रेस नेताओं का 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मंगलवार 30 जुलाई हाशिमपुर बरसावां गांव जाएगा। जिला प्रवक्ता अवधेश मिश्र ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर गांव जाकर छात्रा श्रेया के परिजनों से मुलाकात होगी। इसमें प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक प्रसाद, महासचिव मनोज गौतम, कैलाश चौहान, अनीश खां आदि शामिल रहेंगे।

## दो घंटे जाम के संकट से जूझता रहा अकबरपुर

अंबेडकरनगर (संवाददाता)। उमसभरी गर्मी के बीच सोमवार को अकबरपुर नगर करीब दो घंटे तक जाम की समस्या से जूझता रहा। भीषण गर्मी ओर उमस में जाम में फंसे लोगों को इस दौरान कई प्रकार की मुश्किलों का सामना करना पड़ा। सोमवार दोपहर अकबरपुर के बस स्टेशन क्षेत्र में लगे जाम ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। दरअसल नगर के बीएन इंटर कॉलेज व बीएनकेबी पीजी कॉलेज में चल रही बीएड परीक्षा समाप्त होने के बाद बड़ी संख्या में परीक्षार्थी के साथ बस स्टेशन क्षेत्र में स्थित एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छुट्टी होने से बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं अचानक सड़क पर आ गए। अकबरपुर टांडा मुख्य मार्ग होने के चलते भी इस दौरान वाहनों का दबाव अधिक हो गया। नतीजा यह रहा कि यहां जाम की समस्या उत्पन्न हो गई। यातायात पुलिस कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। लगभग दो घंटे बाद यातायात सुचारु हो सका। इस दौरान जाम में फंसे लोगों को उमसभरी गर्मी में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जाम में फंसे शहजादपुर के संदीप व मीरानपुर के अधिवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जब यह जानकारी थी कि दो सेंटर पर बीएड परीक्षा चल रही है तो यातायात पुलिस कर्मियों को पहले से ही समुचित व्यवस्था करनी चाहिए थी। अन्य लोगों ने भी अव्यवस्था पर नाराजगी जताई।

## ऑनलाइन भरी जा रही 79 मजदूरों की हाजिरी, स्थल पर नहीं हो रहा काम

बस्ती (संवाददाता)। बहादुरपुर ब्लॉक क्षेत्र के कमरिया द्वितीय में मनरेगा के तहत चकरोड की पटाई का कार्य कराने के लिए 79 मजदूरों का मस्टररोल निकाला गया है। मगर, स्थल पर कोई कार्य नहीं कराया जा रहा है। जबकि रोज मजदूरों की ऑनलाइन हाजिरी भरी जा रही है। मामले की शिकायत गांव के शिवचंद ने प्रशासन से की है। मनरेगा के तहत हो रहे भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए शासन ने मौके पर ऑनलाइन हाजिरी लगाने की व्यवस्था बनाई है। अब भ्रष्टाचारी इसे भी चकमा देने में सफल हो गए। वह ऑनलाइन व्यवस्था को धता बताकर कार्यस्थल का फर्जी फोटो अपलोड कर रहे हैं। जिले में रोज किसी न किसी ग्राम पंचायत से इसकी शिकायत मनरेगा अधिकारियों को मिल रही हैं। लेकिन, प्रभावी कार्रवाई न होने से प्रधानों व सचिवों की मनमानी थम नहीं रही है। ताजा मामला बहादुरपुर के कमरिया द्वितीय गांव का है। यहां हरीराम के घर से ध नषुधारी के खेत तक चकबंध निर्माण कार्य के लिए 79 मजदूरों के नाम से मस्टररोल निकाला गया है। काम 24 जुलाई से आठ अगस्त तक चलना है। आरोप है कि मस्टररोल पर 24 जुलाई से लगातार मजदूरों की फर्जी हाजिरी ऑनलाइन भरी जा रही है। जबकि स्थल पर कोई मजदूर काम नहीं कर रहा है। शिकायत पर जब मौक का जायजा लिया गया तो उक्त जगह पर कोई मजदूर काम करता हुआ नहीं मिला। मामले की शिकायत मिली है। सोमवार को स्थलीय जांच की जाएगी। यदि स्थल पर हाजिरी के सापेक्ष काम नहीं मिला तो संबंधित पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## कार्यपद्धति किसी भी संगठन का आधार

बस्ती (संवाददाता)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गोरक्ष प्रांत सदर तहसील का एक दिवसीय अभ्यास वर्ग रविवार को सरस्वती शिशु मंदिर रामबाग में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में करीब 100 कार्यकर्ताओं को संगठन का प्रशिक्षण दिया गया। शुभारंभी विभाग संगठन मंत्री आकाश, विभाग प्रमुख डॉण्वि जय शुक्ल और जिला संयोजक विकास कसौधन ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। अभ्यास वर्ग में कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्य पद्धति, सैद्धांतिक भूमिका, परिसर कार्य, आयाम गतिविधि कार्य आदि विषयों पर अलग अलग सत्रों में प्रशिक्षित किया गया। एबीवीपी के संगठन मंत्री आकाश ने संगठन की कार्यपद्धति की महत्ता के बारे में बताया। कहा कि कार्यपद्धति किसी भी संगठन का आध ाार होती है। जितेंद्र कुमार शाही ने कहा कि विद्यार्थी परिषद दुनिया का एक मात्र ऐसा छात्र संगठन है जो श्वसुधैव कुटुंबकम्श्व और जहां कम वहां हमश्व की भावना से काम करता है। स्कूल परिसरों में विद्यार्थियों की समस्याओं को ढूंढकर उनका समाधान करने का कार्य किया जा रहा है।

## ठप पड़ा पोर्टल, नहीं हो रहा श्रमिकों का पंजीयन

अंबेडकरनगर (संवाददाता)। जिले के लगभग सवा लाख श्रमिकों की मुश्किलें बढ़ी हुईं हैं। यहां विभागीय पोर्टल बीते कई माह से ठप पड़ा है। इससे न तो नया पंजीयन हो रहा और न ही कई तरह की जरूरी मदद मिल पा रही। श्रमिकों को अलग–अलग प्रकार की योजनाओं का लाभ दिलाने को लेकर दावे तो बढ़–चढ़कर किए जाते हैं लेकिन इसे जमीनी हकीकत देने को लेकर जिम्मेदारों द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि श्रम विभाग का पोर्टल पिछले छह माह से ठप पड़ा है। जिला श्रम प्रवर्तन कार्यालय के अनुसार पोर्टल को अपडेट किया जा रहा है। इसी के चलते समस्या खड़ी हो रही है। मालूम हो कि जिले में एक लाख 17 हजार 446 श्रमिक जिला श्रम प्रवर्तन कार्यालय में पंजीकृत हैं। पोर्टल के ठप होने से एक तरफ जहां पंजीकृत श्रमिकों को श्रमिकों के लिए संचालित लगभग एक दर्जन योजनाओं का बेहतर ढंग से लाभ नहीं मिल पा रहा तो वहीं नए श्रमिकों का पंजीकरण भी नहीं हो रहा है। पंजीकरण कराने के लिए प्रतिदिन मजदूर श्रम प्रवर्तन कार्यालय तो पहुंचते हैं लेकिन उन्हें मायूसी ही हाथ लग रही है। सोमवार को श्रम प्रवर्तन कार्यालय में मिले बेवाना के राजेंद्र व जहांगीरगंज के रामरतन ने कहा कि वे बीते तीन माह से पंजीकरण कराने को लेकर चक्कर लगा रहे हैं लेकिन पोर्टल बंद होने से काम नहीं हो रहा है। जिम्मेदारों द्वारा भी कोई ठोस जानकारी नहीं दी जा रही। सिर्फ इतना ही कहा जाता है कि जब पोर्टल पूरी तरह से अपडेट हो जाएगा तो काम करना शुरू कर देगा। इन योजनाओं का मिलता है लाभश्रम प्रवर्तन कार्यालय के अनुसार पंजीकृत श्रमिकों को मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना, कन्या विवाह अनुदान योजना, शौचालय सहायता योजना, महात्मा गांधी पेंशन योजना, गंभीर बीमारी सहायता योजना, निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना, अटल आवासीय स्कूल योजना, का लाभ मिलता है। इसके अलावा 60 वर्ष से अधिक आयु वाले श्रमिकों को तीन हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन के रूप में दिया जाता है। शुरू हुआ पंजीयन का कार्य पोर्टल में तकनीकी समस्या को देखते हुए मरम्मत का कार्य चल रहा था। इसके चलते किसी भी प्रकार का काम नहीं हो रहा था। सोमवार से वर्कर पंजीयन व कार्यस्थल पंजीयन का कार्य पोर्टल पर शुरू हो गया है। शीघ्र ही सभी कार्य प्रारंभ हो जाएंगे।

## अवैध रूप से दौड़ रहे ३२ स्कूल वाहनों का पंजीयन निलंबित

अंबेडकरनगर (संवाददाता)। छात्रों की सुरक्षा को दरकिनार कर सड़क पर दौड़ रहे 32 ऐसे स्कूली वाहनों का पंजीकरण एआरटीओ कार्यालय ने निलंबित कर दिया है जिनकी आयु 15 वर्ष से अधिक हो चुकी है। साथ ही बीते दिनों चले विशेष अभियान में 60 ऐसे वाहन मिले जिसमें कई प्रकार की कमियां थीं। इसे अविलंब दूर करने का निर्देश दिया गया। वहीं तमाम निर्देशों के बावजूद 123 स्कूली वाहन ऐसे थे जो फिटनेस टेट कराने के लिए एआरटीओ कार्यालय आए ही नहीं। इन्हें भी नोटिस जारी किया गया है। मालूम हो कि जिले में 1123 स्कूली वाहन हैं जो छात्र–छात्राओं को स्कूल पहुंचाने तथा वापस छोड़ने का काम करते हैं। एआरटीओ कार्यालय के अनुसार आठ जुलाई से 22 जुलाई तक चले विशेष अभियान में 32 स्कूली वाहन ऐसे मिले जिनकी आयु 15 साल से अधि ाक हो चुकी है। ऐसे में इन वाहनों का पंजीयन निलंबित कर दिया गया। जांच में 60 वाहन ऐसे मिले जिसमें या तो जाली नहीं लगी थी या फिर प्रथम उपचार बॉक्स नहीं था। इसके अलावा कई अन्य प्रकार की भी कमियां मिलीं। ऐसे वाहनों में जल्द से जल्द व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश संबंधित स्कूल के प्रशासन को दिए गए। वहीं तमाम निर्देशों के बावजूद 120 स्कूली वाहन ऐसे थे जो फिटनेस टेस्ट कराने के लिए एआरटीओ कार्यालय पहुंचे ही नहीं। ऐसे वाहनों के संचालकों को नोटिस जारी करते हुए अविलंब फिटनेस टेस्ट कराने के निर्देश दिए गए। एआरटीओ सत्येंद्र यादव ने कहा कि स्कूलों वाहनों की जांच का अभियान आगे भी जारी रहेगा। जिन वाहनों की सीमा 15 वर्ष से अधि ाक हो चुकी है उनके संचालकों को नोटिस जारी किया गया है कि वे 12 जुलाई तक एआरटीओ कार्यालय में यह शपथपत्र दें कि संबंधित वाहन का संचालन नहीं किया जा रहा है। कहा कि यदि जांच में ऐसे वाहन संचालित होते मिले तो कार्रवाई की जाएगी।

## तैराकी में रितेश व विशाल का दबदबा

अंबेडकरनगर (संवाददाता)। जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को एकलव्य स्टेडियम स्थित तरणताल में किया गया। इसमें 14 ,17 व 19 वर्ष के तैराकों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आदर्श जनता इंटर कॉलेज टांडा के रितेश व एचटी इंटर कॉलेज के विशाल का दबदबा रहा। अब चयनित खिलाड़ी अयोध्या में होने वाली मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता के आयोजन की जिम्मेदारी इस बार एचटी इंटर कॉलेज टांडा को दी गई थी। जिला क्रीड़ा सचिव अजीत सिंह ने बताया की शनिवार को एकलव्य स्टेडियम के तरणताल में 17 वर्ष और 19 वर्ष तैराकी की प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें आदर्श जनता इंटर कॉलेज टांडा के रितेश 50 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर फ्री स्टाइल तैराकी की प्रतियोगिता में प्रथम रहे। एचटी इंटर कॉलेज के विशाल यादव 50 मीटर, 100 मीटर फ्री स्टाइल और बैक स्ट्रोक तैराकी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहे। जिला प्रतियोगिता के दौरान अंडर 14 आयु वर्ग के तैराक खिलाड़ी आनंद, दीपक, विवेक, प्रेमचंद, उत्कर्ष, शिवम, वीरेंद्र यादव, शुभम कश्यप, अंश मांझी, आकाश यादव, समेत अन्य ने प्रतिभाग किया।

# संविधान व आरक्षण को बचाने के लिए पार्टी प्रतिबद्ध : नरेश उत्तम

## सांसद ने पार्टी कार्यालय में किया संविधान मानस्तंभ की स्थापना

(संवाददाता)

फतेहपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय में संविधान मानस्तम्भ की स्थापना का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का षुभारंभ सांसद नरेष उत्तम पटेल ने किया। सांसद ने अपनें वक्तब्य में कहा कि समाजवादी पार्टी संविधान मानस्तम्भ की स्थापना करके आरक्षण का अधिकार दिवस मना रही है। पी०डी०ए० को अधिकार तभी मिलेंगें जब उचित रूप से आरक्षण का हक सबको मिलेगा। संविधान और आरक्षण को बचानें के लिए समाजवादी पार्टी प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के अध्यक्षता सुरेन्द्र यादव ने किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी समाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। पार्टी का मानना है कि जाति के आधार पर जनगणना हो ताकि समानुपातिक आधार पर सब को सम्मान और हक हासिल हो सके। डा० राममनोहर लोहिया ने सबके विकास के लिए पिछडों को विषेश अवसर दिये जानें की माँग उठायी थी। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव चौधरी मन्जर यार ने किया। बैठक में मुख्य रूप से मौजूद विधायक सदर, चन्द्रप्रकाष लोधी, हुसेनगंज विधायक ऊशा मौर्या, चेयरमैन राजकुमार मौर्या, पूर्व जिला अध्यक्ष बिपिन यादव, दलजीत निशाद, बीरेन्द्र यादव, दयालू गुप्ता, गणेष वर्मा, कमलेष वर्मा, जगदीष सिंह, राजेन्द्र वर्मा, अनिरूद्ध यादव, देवेन्द्र लोधी, सुघर सिंह, मनोज यादव, रामतीर्थ परम्हंस, रामकृपाल सोनकर, सुरिजपाल रावत, रीता प्रजापति, राजू कुर्मी, रामकिषोर प्रजापति, डा० रामनरेष पटेल, षमीम अहमद, संगीताराज पासी, जे०पी० यादव, नफीषुउद्दीन, षकील गोल्डी, डा० मान सिंह यादव, कपिल यादव, हीरालाल यादव, चन्द्रषेखर वेदी, परवेज आलम, डा० अमित पाल, जगनायक सचान, उदयराज लोधी, राजबाबू यादव, अनिल यादव, श्रीचन्द्र विश्वकर्मा, दीपक डब्लू, हाजी सिराज अहमद, गार्गीदीन, नन्द किषोर पाल, कामता प्रसाद, अकील अहमद, बच्छराज मौर्य, संदीप माली, इब्राहिम खान, मखलू सिंह, ओवैस फारूकी, हेमन्त तिलक, तेज सिंह, नफीष सिद्दकी, अरसद, रामबाबू निशाद, अयूब खान, षिव सिह यादव, नागेन्द्र यादव, महेष फौजी, अजब सिंह, प्रवीण पटेल, असलम प्रधान, फूल सिह मौर्या, अषोक कुमा यादव, अंकित यादव, आदि लोग भारी संख्या में उपस्थित रहे।

# खेत में पानी लगाने के विवाद में चचेरे भाई की हत्या

(संवाददाता)

फतेहपुर। खेत में पानी लगाने के विवाद को लेकर चचेरे भाइयों के बीच विवाद हो गया। विवाद के दौरान सिर पर डंडा मार मारकर हत्या कर दिया। हत्या के बाद आरोपी युवक मौके पर भाग गया। सूचना पर पहुची पुलिस ने षव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दिन में हुई हत्या के बाद पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुचे और आरोपी युवक को पकड़ने के लिए टीम को लगा दिया गया है। जिले के खागा कोतवाली क्षेत्र के नई बाजार के रहने वाले राम प्रसाद का 30 वर्शीय पुत्र छोटू मौर्य खेत पर पानी लगाने गया था।उसी समय छोटू का चहेरे भाई मनोज मौर्य भी पहुच गया और छोटू से अपने खेत की पटरी काटकर पानी निकालने को लेकर विवाद हो गया। दोनों के बीच विवाद इस कदर बढ़ गया कि मनोज ने चचेरे भाई छोटू के सिर पर डंडा से मारकर निर्मम हत्या कर दिया।जब तक परिवार के लोग कुछ समझ पाते आरोपी युवक मौके से भाग गया। परिजनों के सूचना पर पहुची पुलिस ने षव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक के भाई उदय ने बताया कि कई दिनों से विवाद चल रहा था।आज सुबह करीब 11 बजे के आस पास घर के पीछे खेत गया था।वही पर पुरानी रंजिष को लेकर चचेरे भाई ने सिर पर लोहे की रॉड से मारकर हत्या कर दिया।मृतक भाई की षादी तीन साल पहले हुई थी और दो बच्चे है। अपर पुलिस अधीक्षक विजय षंकर मिश्रा ने बताया कि ने खेत में पानी लगाने को लेकर चचेरे भाइयों के बीच विवाद हो गया। मृतक के चचेरे भाई ने सिर पर डंडा मारकर हत्या कर दिया है।षव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।मृतक के भाई के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी युवक के गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

### प्रधान डाकघर से निकाली तिरंगा बाइक रैली

(संवाददाता)

फतेहपुर। हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत आज प्रधान डाकघर से मोटर साइकिल रैली अतुल कुमार अधीक्षक डाकघर के नेतष्त्व में गंगानगर, देवीगंज, वर्मा चौराहा, पटेल नगर, षादीपुर होकर प्रधान डाकघर में समापन किया गया। तिरंगा रैली के दौरान सैकड़ों कर्मचारियों ने भारत माता की जय, बन्दे मातरम् के नारों के साथ मोटरसाइकिल से तिरंगा रैली में उपस्थित रहे। विभाजन विभीशिका स्मषति दिवस 14 अगस्त के अवसर पर प्रधान डाकघर में एक प्रदर्षनी एवं गोश्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री षिवसागर साहू वयोवष्द्ध वरिश्ठ कवि उपस्थित रहे गोश्ठी में भारत देष के विभाजन की विभीशिका के विशय में चर्चा की गयी। रैली कार्यक्रम में अतुल कुमार अधीक्षक डाकघर, षत्रुघन लाल पोस्टमास्टर, संदीप चौरसिया सहायक अधीक्षक डाकघर, सर्वेष वर्मा, प्रषांत पाल निरीक्षक डाकघर खागा बिन्दकी, संजय मिश्रा आदि शामिल रहे।

### बाइकों की भिड़ंत में घायल युवक मृत घोषित

फतेहपुर। कल्यानपुर थाना क्षेत्र के चौडगरा में मंगलवार की रात बाइकों की भिड़ंत में 33 वर्शीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मष्त घोशित कर दिया। जानकारी के अनुसार उन्नाव जनपद के थाना अचलगंज गांव दरियाव खेड़ा गांव निवासी स्व. किषन पाल का पुत्र रवि अपने परिवार के साथ कल्यानपुर में किराए का मकान लेकर रहता था और औंग थाना क्षेत्र स्थित पैनम फैक्ट्री में नौकरी करता था। रात लगभग नौ बजे वह बाइक से चौडगरा सब्जी खरीदने गया था। वापस लौटते समय जैसे ही वह कुछ दूर पहुंचा तभी सामने से आ रही बाइक से सीधी भिड़ंत हो गई। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची सरकारी एंबुलेंस ने घायल को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने उसे मष्त घोशित कर दिया। सूचना पर पुलिस ने षव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गष्ह भेज दिया। हादसे के बाद पत्नी सीमा का रो–रोकर बुरा हाल है। मष्तक अपने पीछे दो पुत्र अरनू छह वर्श व आयुश ढाई वर्श छोड़ गया है।

### संदिग्ध अवस्था में जहर खाने से महिला की मौत

फतेहपुर। ललौली थाना क्षेत्र के चिन्तनपुर मजरे रेंय गाँव में मंगलवार की षाम संदिग्ध अवस्था में महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर लिया। मृतका के भाई ने पति पर हत्या का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार चिंतनपुर मजरे रें गांव निवासी जयनारायण प्रजापति की 52 वर्शीय पत्नी बरमदेवी ने मंगलवार की षाम संदिग्ध अवस्था में जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ देर बाद जब उसकी हालत बिगड़ी तो परिजन उसे उपचार के लिए सदर अस्पताल ला रहे थे तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने षव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस में मृतिका के भाई षिवबली ने बहनोई पर हत्या करने का आरोप लगाया है।

### ट्रेन की चपेट में आकर अधेड़ की मौत

फतेहपुर। कल्यानपुर थाना क्षेत्र के दरियापुर गाँव के समीप बुधवार की सुबह खेत जा रहे अधेड़ रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस मष्तक के षव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाई कर रही है।जानकारी के अनुसार दरियापुर गावं निवासी स्व. रामपाल का 55 वर्शीय पुत्र ज्ञान सिंह बुधवार की सुबह खेत जा रहा था। जब वह रेलवे लाइन पार कर रहा था तभी ट्रेन आ गई जिसकी चपेट में आ जाने से उसकी घटनास्थल पर मौत हो गई।

# सपा ने किरन सिंह महा विद्यालय में लगाया कैंप

## छात्र नौजवान पीडीए जागरूकता अभियान के तहत बनाया सदस्य

(संवाददाता)

फतेहपुर। समाजवादी पार्टी द्वारा चलाए जा रहे छात्र नौजवान पीडीए जागरूकता अभियान के तीसरे दिन सपाईयों ने षहर के गाजीपुर कस्बे में स्थित किरन सिंह महाविद्यालय में कैंप लगाकर छात्र–छात्राओं को सदस्यता दिलाने का काम किया। कैंप के दौरान उन्होने कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए फामूर्ले पर कार्य कर रही है। छात्र व नौजवानों को अधिक से अधिक पार्टी से जोड़ने के लिए सदस्यता व जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसका आज दूसरा दिन है। उन्होने कहा कि समाजवादी पार्टी ही सभी वर्गों को साथ लेकर चलती है। पूर्ववर्ती सपा सरकार में पार्टी के राश्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेष यादव ने तमाम ऐतिहासिक विकास कार्य कराने का काम किया। जिसका लाभ आज भी सभी वर्गों को मिल रहा है। सपा सरकार ने सबसे अधिक छात्र छात्राओं को लैपटाप वितरित करने का काम किया था जिसका लाभ आज भी छात्र उठाकर षिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाईयों को छू रहे हैं। उन्होने कहा कि प्रदेष में छात्र व नौजवानों का साथ मिला तो आगामी विधानसभा चुनाव में इस निकम्मी सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकने का काम किया जाएगा। कैंप में जिला महासचिव चौधरी मंजर यार के अलावा डीजी कुषवाहा, कार्यक्रम प्रभारी अर्पित यादव, धर्मेंद्र प्रधान ने भी हिस्सा लेकर छात्र–छात्राओं को जागरूक करने का काम किया। इस मौके पर यूथ ब्रिगेड जिलाध्यक्ष अमित सिंह मौर्य, लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष आजम खान, छात्र सभा जिला महासचिव ओवैस फारूकी, फिरोज खान अभिशेक सिंघम, सौरभ यादव, सलमान जिला पंचायत, देवेंद्र यादव डी जी कुषवाहा, मनोज यादव अभिलाश सरकार सहित लोग मौजूद रहे।

### डंपर में ट्रक घुसने से चालक की मौत

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ बाईपास एनएच–2 में मंगलवार की देर रात कानपुर से इलाहाबाद जा रहा ट्रक अनियंत्रित होकर रोड किनारे खड़े डंफर से टकरा गया। जिसमें 50 वर्शी चालक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार भदोही जनपद के थाना रोटीगंज गांव डडिया निवासी यदुनाथ का पुत्र विनय कुमार षुक्ला ट्रक चालक था। बताते हैं कि रात डेढ़ बजे कानपुर से माल लेकर इलाहाबाद जा रहा था। जैसे ही वह षहर क्षेत्र के लखनऊ बाईपास एनएच–2 पर पहुंचा तभी अचानक रोड पर मवेषी आ जाने के कारण अनियंत्रित होकर ट्रक रोड किनारे खड़े डंपर से भिड़ गया।

बतकही
हिन्दी साप्ताहिक
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भूपेंद्र सिंह द्वारा दिशेरा प्रेस, श्याम नगर, खम्भापुर, फतेहपुर से मुद्रित तथा ग्राम– रामपुर पचभिटा, मकान नं. 193, पोस्ट– दावतपुर, थाना–मलवां, जिला– फतेहपुर (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक
भूपेंद्र सिंह